श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 33, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण | प्रयागराज | मंगलवार, 8 सितम्बर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

चार दशक बाद एलएसी पर चली गोली, बढ़ा तनाव

पूर्वी लद्दाख सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गोलीबारी की हुई है घटना

संजय मिश्र, नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। चीनी सैनिकों की ओर से फिर घुसपैठ की कोशिश के चलते करीब चार दशक बाद सोमवार देर रात पहली बार दोनों तरफ से गोलीबारी की खबर है। हालांकि, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को चेतावनी देने के लिए ही गोली चलाई है। घटना के बाद हालात नियंत्रण में है। भारत की ओर से आधिकारिक तौर पर घटना को लेकर कोई बयान नहीं दिया गया है।

वहीं, चीनी सरकार के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने सेना के हवाले से पूरी घटना का दोष भारत पर मढ़ा है। उसका कहना है कि भारतीय सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की। बहरहाल इस घटना से दोनों देशों के बीच तनाव और गहराने की आशंका है।

सूत्रों के मुताबिक, पैंगोंग झील के दक्षिण किनारे पर चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सैनिकों ने चेतावनी दी, लेकिन रुकने के बजाय उन्होंने फायरिंग कर दी। इस पर भारतीय सैनिकों ने भी

जवाबी फायरिंग की। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगभग चार दशक बाद पहली बार गोली चली है। भले ही गोली चेतावनी के लिए ही चली हो, लेकिन घटना दशार्ती है कि सीमा पर तनाव कितना बढ़ गया है। इस बीच, ग्लोबल टाइम्स ने चीनी सेना के प्रवक्ता के हवाले से दावा किया है कि भारतीय सैनिक एलएसी को पार कर पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे पर स्थित शेनपाओ पहाड़ी के इलाके में घुस रहे थे। अखबार ने यह भी कहा कि चीनी सैनिकों ने जब उन्हें रोका तो भारतीय सैनिकों की तरफ से फायरिंग की गई। इसके बाद चीनी सैनिकों ने भी फायच्रग की। चीनी सैन्य प्रवक्ता ने इस बारे में जारी एक बयान में आरोप लगाया कि भारतीय सेना ने गैरकानूनी तरीके से एलएसी पार की और पैंगोंग झील के दक्षिणी किनारे और शेनपाओ पहाड़ी इलाके में घुस आए। ऑपरेशन के दौरान, भारतीय सेना ने चीनी बॉर्डर फोर्स को धमकी देने के अंदाज में फायरिंग की और चीनी सीमा रक्षकों को जवाबी कार्रवाई करने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसे बेहद गंभीर भड़काऊ कार्रवाई करार देते हुए चीन ने कहा, 'हम भारतीय पक्ष से आग्रह करते हैं कि इस तरह की खतरनाक करवाई को तुरंत रोके।

सरकारी विभागों को मिला आदेश, दिव्यांगता के आधार पर तरक्की देने से नहीं किया जा सकता इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र। मुश्किलों के चलते स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की मांग करने वाले दिव्यांग सरकारी कर्मचारी उसी वेतनमान और लाभ पर सेवा जारी रख सकते हैं। कार्मिक मंत्रालय ने सोमवार को सभी सरकारी विभागों के सचिवों को आदेश जारी करते हुए दिव्यांग कर्मियों को उपलब्ध विभिन्न सुरक्षा उपायों पर प्रकाश डाला। मंत्रालय ने कहा कि सिर्फ दिव्यांगता के आधार पर किसी कर्मचारी को तरक्की देने से इन्कार नहीं किया जा सकता है।दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुच्छेद 20 के प्रावधानों का उल्लेख करते हुए मंत्रालय ने कहा कि सभी सरकारी प्रतिष्ठान दिव्यांग कर्मचारियों को तार्किक सुविधा और उपयुक्त माहौल उपलब्ध कराएंगे। मंत्रालय ने कहा कि नौकरी को लेकर कोई सरकारी प्रतिष्ठान किसी दिव्यांग व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं करेगा। सेवा के दौरान किसी कर्मचारी के दिव्यांग होने की स्थिति में उसका पद नहीं घटाया जाएगा। कोई कर्मचारी यदि अस्वस्थता के आधार पर या दिव्यांगता के चलते स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन देता है, तो अधिकारियों को जांच करना चाहिए कि यह दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के अनुच्छेद 20 के तहत तो नहीं आता है? यदि यह मामला इस अधिनियम के तहत आता है, तो उस कर्मचारी को यह सलाह दी जानी चाहिए कि उसके सामने उसी वेतनमान और लाभ के साथ अपनी सेवा जारी रखने का विकल्प है। यदि वह कर्मचारी अपने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का आवेदन वापस लेने के लिए तैयार हो जाता है, तो उसके साथ दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के तहत व्यवहार किया जाना चाहिए।

देश में लगातार दूसरे दिन 90 हजार से ज्यादा नए केस, कुल मामले 42 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में दिन प्रतिदिन कोरोना को लेकर स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। कुल संक्रमितों की संख्या 42 लाख के आंकड़े को पार कर गई है, जिसके बाद अब हम विश्व में कोरोना से दूसरे सबसे ज्यादा प्रभावित देश बन गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार लगातार दूसरे दिन 90 हजार से ज्यादा मामले सामने आए हैं। पिछले 24 घंटों में अब तक सबसे ज्यादा 90,802 नए मामले सामने आए हैं। जिसके बाद कुल संक्रमितों की संख्या 42,04,613 हो गई है। वहीं इस दौरान 1016 लोगों की मौत हुई है, कुल मृतकों की संख्या 71,642 हो गई है। ताजा जानकारी के अनुसार देश में इस वक्त 8,82,542 केस एक्टिव हैं। वहीं पिछले 24 घंटों में 69,564 लोग कोरोना

वायरस को मात देकर ठीक होने में कामयाब हुए हैं। जिसके बाद ठीक होने वालों की कुल संख्या 32,50,429 हो गई है।

भारत ने कोरोना संक्रमण के मामले में ब्राजील को भले ही पीछे छोड़ दिया है। लेकिन जांच की तुलना में संक्रमण को देखा जाए तो भारत बेहतर स्थिति में है। ब्राजील में करीब डेढ़ करोड़ सैंपल की जांच हुई है और 41 लाख से अधिक मामले मिले हैं। जबकि, भारत में करीब पांच करोड़ जांच में 41 लाख से ज्यादा संक्रमित पाए गए हैं। देश में प्रति 10 लाख आबादी पर संक्रमण के मामले और मौतों की संख्या भी बहुत कम है। अमेरिका में जहां 19,419 और ब्राजील में 19,372 मामले हैं, वहीं भारत में यह संख्या मात्र 3,009 है। इसी तरह प्रति 10 लाख आबादी पर अमेरिका में कोरोना से 582 और ब्राजील में 593 लोगों की मौत हुई है, तो भारत में 51 लोगों की जान गई है। देश में मरीजों के स्वस्थ होने दर जहां बढ़कर 77.32 फीसद हो गई है, वहीं मृत्युदर 1.72 फीसद पर आ गई है, जो दुनिया में सबसे कम है।

दिल्ली में कोरोना के नए मामले एक बार फिर तीन हजार के पार पहुंच गए। रविवार को 3256 नए मामले आए, जो 72 दिनों में सर्वाधिक हैं। इससे पहले 26 जून को 3460 मामले आए थे। नए मामलों में बढ़ोतरी होने के कारण सक्रिय मरीजों की संख्या भी 21 हजार के करीब पहुंच गई है। इस वजह से मरीजों के ठीक होने की दर 3.46 फीसद घट गई है। वहीं संक्रमण दर 7.64 फीसद से बढ़कर 9.03 फीसद हो गई है। पिछले 24 घंटे में 2188 मरीज ठीक हुए। 29 मरीजों की मौत हो गई। यह पिछले 38 दिनों में मौत का सर्वाधिक आंकड़ा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली में अब तक कोरोना के एक लाख 91 हजार 449 मामले आ चुके हैं। इनमें से एक लाख 65 हजार 973 मरीज ठीक हो चुके हैं। मरीजों के ठीक होने की दर अभी 86.69 फीसद है। कुछ दिन पहले मरीजों के ठीक होने की दर 90.15 फीसद पहुंच गई थी। चिंताजनक यह है कि नए मामले बढ़ने के कारण मरीज बढ़ते जा रहे हैं। इस वजह से दिल्ली में हालत एक बार फिर बिगड़ते दिख रहे हैं। मृतकों की कुल संख्या 4567 हो गई है।

रिया चक्रवर्ती ने सुशांत की बहन और डॉक्टर तरुण कुमार पर दर्ज कराया धोखाधड़ी का केस

मुंबई, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत मामले में सोमवार को एक बार फिर रिया चक्रवर्ती एनसीबी दफ्तर पहुंची हुईं थीं। एनसीबी ऑफिस में आज रिया से दूसरे दिन की पूछताछ की गई। एनसीबी के उप महानिदेशक मुथा जैन ने बताया कि दिनभर चली पूछताछ के बाद रिया चक्रवर्ती को उनके घर वापस भेज दिया गया है। मंगलवार को फिर उनसे पूछताछ की जाएगी। वहीं, दूसरी ओर रिया चक्रवर्ती ने सुशांत की बहन प्रियंका सिंह और राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल के डॉक्टर तरुण कुमार समेत अन्य लोगों के खिलाफ फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन बनाने का केस दर्ज कराया है। अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती ने धोखाधड़ी, एनडीपीएस एक्ट और टेली मेडिसिन प्रैक्टिस गाइडलाइंस 2020 के खिलाफ केस दर्ज कराया है। रिया चक्रवर्ती के वकील मनेशिंदे के अनुसार 8 जून को सुशांत सिंह राजपूत को उनकी बहन प्रियंका सिंह ने राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल के डॉक्टर तरुण कुमार से फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन भेजा था। उस प्रिस्क्रिप्शन में उन दवाओं का जिक्र था, जो एनडीपीएस एक्ट के तहत आता है और इसकी मनाही है।

शिकायकत दर्ज कराने के लिए अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती बांद्रा पुलिस स्टेशन पहुंची हुईं थीं। वहीं, अब सुशांत सिंह राजपूत के पिता के वकील विकास सिंह ने कहा कि यदि बांद्रा पुलिस रिया चक्रवर्ती की शिकायत स्वीकार करती है, तो यह

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा और अदालत की अवमानना होगी। अगर बांद्रा पुलिस इसके साथ आगे बढ़ती है, तो हम इस मामले को सुप्रीम कोर्ट में अदालत की अवमानना के तहत ले जाएंगे।

बता दें कि ड्रग्स कनेक्शन में शोविक चक्रवर्ती और सैमुअल मिरांडा को हिरासत में लेने के बाद अब एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। रविवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने रिया से पूछताछ की। इस दौरान रिया ने कई अहम बातें सामने आ रही है। देखना होगा कि एनसीबी उनके जवाबों से कितना संतुष्ट हो पाती है या नहीं। आज रिया-शोविक-मिरांडा तीनों को एकसाथ बैठाकर पूछताछ होगी। सुशांत केस में सीबीआई की तफ्तीश भी जारी है।

सुशांत केस में ड्रग्स कनेक्शन की जांच के लिए एनसीबी ने एसआईटी का गठन किया है। वहीं प्रियंका खिमानी आज सीबीआई के सामने अपना बयान दर्ज कराएंगी। खिमानी सुशांत की वकील हैं। वो उस ऑडियो क्लिप में थीं जहां सुशांत और रिया वित्तीय मामले में बात कर रहे थे।

पोस्टमार्टम के बाद सुशांत का विसेरा जांच के लिए सुरक्षित रख लिया गया था। विसेरा की जांच कर रही अक्क्ष्टर की मेडिकल टीम केस को सुलझाने में मदद कर सकती है। एम्स की फॉरेंसिक टीम सुरक्षित रखे गए सुशांत के विसेरा का टेस्ट कर रही है। मेडिकल टीम को शक है कि कहीं सुशांत को जहर तो नहीं दिया गया था। एम्स के फोरेंसिक डिपार्टमेंट के हेड और सुशांत केस के लिए गठित मेडिकल बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सुधीर गुप्ता ने बताया कि जांच दस दिन के अंदर की जाएगी और रिपोर्ट भी आ जाएगी। इस मामले को लेकर मेडिकल बोर्ड की अगली मीटिंग 17 सितंबर को होगी।

रविवार को 6 घंटे हुई थी रिया से पूछताछ

भारी सुरक्षा के बीच रविवार को रिया एनसीबी दफ्तर पहुंची थी। करीब 12 बजे रिया चक्रवर्ती एनसीबी दफ्तर पहुंचीं जहां पहले से ही उनके भाई शौविक चक्रवर्ती मौजूद थे। इन दोनों को आमने-सामने बिठाकर भी पूछताछ की गई। करीब साढ़े छह घंटे की पूछताछ में ठउइ ने ड्रग्स के मामले में रिया के कनेक्शन को जोड़ने की कोशिश की और साथ ही इस पूरे मामले में जो पैसों के ट्रेल है उस पर भी उनसे सवाला किए गए।पर करीब साढ़े छह घंटों की पूछताछ के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

मनी लांड्रिंग मामले में चंदा कोचर के पति दीपक गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसियां। आइसीआइसीआइ बैंक-वीडियोकॉन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को आइसीआइसीआइ बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर के पति दीपक कोचर को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले दिन में ईडी ने उन्हें अपने दिल्ली कार्यालय में पूछताछ के लिए बुलाया था।

अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि दीपक कोचर को जांच एजेंसी ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया है। यह मामला वीडियोकॉन ग्रुप को बैंक लोन देने में कथित अनियमितताओं और मनी लांड्रिंग की जांच से जुड़ा है। इस साल जनवरी में ईडी ने चंदा कोचर,

दीपक कोचर और उनके स्वामित्व व नियंत्रण वाली कंपनियों की 78.15 करोड़ रुपये की चल-अचल परिसंपत्तियों को भी जब्त कर लिया था। इनमें तमिलनाडु और महाराष्ट्र स्थित फ्लैट, जमीन, नकदी, मशीनें एवं संयंत्र शामिल हैं। मालूम हो कि वीडियोकॉन ग्रुप ऑफ कंपनीज को गैरकानूनी तरीके से 1,875 करोड़ का कर्ज मंजूर करने के लिए दर्ज की गई एफआइआर के आधार पर ईडी ने पीएमएलए के तहत मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी।

दीपक कोचर की यह गिरफ्तारी ईडी ने वीडियोकॉन ग्रुप के प्रमुख वेणुगोपाल धूत को आईसीआईसीआई बैंक की ओर से 3250 करोड़ रुपये का लोन दिए जाने के मामले में की है। इस मामले में यह पहली बड़ी गिरफ्तारी है। ईडी आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन समूह को दिए गये ऋण मामले में अनियमितता और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चंदा कोचर, उनके पति दीपक कोचर और कई अन्य के खिलाफ जांच कर रही थी। कुछ दिन पहले ही दूत समेत चंदा कोचर और उनके पति के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया था। इस मामले में चंदा कोचर के देवर से ईडी के मुताबिक, जांच में पता चला कि चंदा कोचर की अध्यक्षता वाली समिति द्वारा वीडियोकॉन इंटरनेशनल इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को स्वीकृत किए गए 300 करोड़ रुपये के कर्ज में से 64 करोड़ रुपये आठ सितंबर, 2009 को दीपक कोचर के स्वामित्व वाली नूपावर रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में नूपावर रिन्यूएबल्स लिमिटेड) में स्थानांतरित किए गए थे। वीडियोकॉन ने यह रकम कर्ज मंजूर होने के एक दिन बाद स्थानांतरित की थी। इसके बाद इस रकम से दीपक कोचर की कंपनी ने 10.65 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया था।

उत्तर प्रदेश में चिकित्सा उपकरणों की खरीद में गड़बड़ी सुल्तानपुर व गाजीपुर के डीपीआरओ निलंबित

लखनऊ, जेएनएन। कोरोना वारियर्स अपनी जान पर खेलकर महामारी से जनता को बचाने में जुटे हैं, वहीं कुछ भ्रष्ट अफसरों ने इस आपदा को भी कमाई का अवसर बना लिया। चिकित्सा उपकरणों की खरीद में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने कराई तो वह आरोप सच निकले। इस राजफाश के बाद लखनऊ तक खलबली मच गई है। सुल्तानपुर और गाजीपुर के जिला पंचायत राज अधिकारियों (डीपीआरओ) को तत्काल निलंबित कर प्रदेश भर में ऑक्सीमीटर और थर्मामीटर खरीद की जांच शुरू करा दी गई है। सभी जिलों में जांच कराई जा रही है। जिलाधिकारियों को भी भुगतान किए गए सभी बिलों की जांच कराने को कहा गया है।

कोरोना वायरस के संक्रमण काल में जनता को हर चिकित्सा मुहैया कराने के लिए सरकार ने खजाने का मुंह खोल दिया है। भारी-भरकम बजट इस पर तुरत-फुरत आवंटित और स्वीकृत किया जा रहा है। इसी मौके का लाभ उठाने में कुछ भ्रष्ट अधिकारी जुट गए। सरकार की आंखों में धूल झोंकते हुए उपकरणों की खरीद कई गुना अधिक दिखाकर कमीशन खाना शुरू कर दिया। विपक्ष ने भी इस पर हल्ला मचाना शुरू कर दिया। इसे गंभीरता

से लेकर योगी सरकार सरकार ने जांच शुरू कराई तो एक छोर तो आखिर मिल ही गया। फिलहाल फंदे में दो अफसर फंसे हैं।

अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सुल्तानपुर के जिला पंचायत राज अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह ने बाजार में 2800 रुपये मूल्य में ऑक्सीमीटर व इन्फ्रारेड थर्मामीटर उपलब्ध होने के बावजूद क्रय प्रक्रिया को केंद्रीकृत करने का प्रयास किया और 9950 रुपये का बिल प्रस्तुत किया है। चौहान को निलंबित कर उपनिदेशक पंचायत अयोध्या मंडल से संबद्ध किया गया है और उपनिदेशक पंचायत वाराणसी मंडल को जांच अधिकारी नामित किया है। सिंह ने बताया कि जिले के करीब 900 गांवों में से 250 में उपकरणों की खरीद का भुगतान किया जा चुका है।

इसी तरह गाजीपुर में 2800 रुपये कीमत वाले ऑक्सीमीटर व इन्फ्रारेड थर्मामीटर 5800 रुपये में खरीदे जाने के बिल प्रस्तुत किए गए है। जिला पंचायत राज अधिकारी अनिल कुमार सिंह ने भी क्रय प्रक्रिया को केंद्रीकृत करने का प्रयास किया। उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उपनिदेशक पंचायत वाराणसी मंडल से संबद्ध किया है। जांच उपनिदेशक पंचायत अयोध्या मंडल को सौंपी गई है। अपर मुख्य सचिव ने बताया कि सभी जिलों में जांच कराई जा रही है। जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि अब भुगतान किए गए सभी बिलों की जांच करा लें। उल्लेखनीय है कि कोरोना किट की खरीद में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाते हुए विपक्षी दल सरकार से जांच कराने की मांग करते रहे हैं।

जेम पोर्टल से ही उपकरण खरीदने के निर्देश : स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.डीएस नेगी ने जेम पोर्टल के माध्यम से टेंडर करके ही चिकित्सा उपकरण खरीदने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसमें जो कंपनी न्यूनतम दर पर तय नियम-शर्तों के अनुसार आपूर्ति को तैयार होती है, उसे ही उपकरण की आपूर्ति का आदेश जिला स्तर पर अधिकारी द्वारा देने की व्यवस्था है। डॉ.नेगी ने बताया कि निदेर्शों का पालन न कर नियम तोड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

बुजुर्गों की सुविधा के लिए राज्यों ने क्या उठाए कदम, दें विस्तृत रिपोर्ट : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एएनआइ। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश के सभी राज्यों को कोविड-19 के कारण प्रभावित बुजुर्गों के स्वास्थ्य व सुविधाओं के लिए उठाए गए कदमों की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने कहा है कि देश के सभी राज्य इस मामले में हलफनामा दायर करें। जिन राज्यों ने इस मामले में अब तक हलफनामा दायर नहीं किया था कोर्ट ने उन्हें और 4 सप्ताह का समय दिया। याचिका में बुजुर्गों के लिए सैनिटाइजर और मास्क मुहैया कराने के लिए राज्यों को

निर्देश देने की मांग की गई है। दरअसल महामारी के दौरान बुजुर्गों को पर्याप्त सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर याचिका दायर की गई थी जिसपर आज सुनवाई हुई है। मामले की सुनवाई जस्टिस अशोक भूषण की अगुवाई वाली बेंच कर रही है। इससे पहले मामले में 4 अगस्त को बेंच ने निर्देश दिया था कि सभी योग्य बुजुर्गों को नियमित तौर पर पेंशन का भुगतान होना चाहिए और राज्य सरकारों की ओर से उन्हें आवश्यक दवाइयां, मास्क, सैनिटाइजर व अन्य जरूरी वस्तुएं मुहैया कराई जाएं। सुनवाई कर रही बेंच में जस्टिस आरएस रेड्डी और एमआर शाह भी शामिल हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सीनियर एडवोकेट अश्विनी कुमार द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे जिसमें बुजुर्गों के लिए सुविधाओं को लेकर राज्यों को उचित निर्देश देने की मांग की गई है। उनका कहना है कि महामारी के मद्देनजर इन्हें अधिक देख-रेख और सुरक्षा की जरूरत है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हो रही सुनवाई के दौरान अश्विनी कुमार ने बेंच से कहा कि ओडिशा और पंजाब समेत कुछ राज्यों ने ही अब तक इस पर अपना जवाब दिया है।

केरल: कोझिकोड हवाई अड्डे पर सोने की तस्करी

कोच्चि, एएनआइ। कोझीकोड हवाई अड्डे पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने दो अलग-अलग फ्लाइटों से यात्रा कर रहे चार यात्रियों के कब्जे से 653 ग्राम सोना और 10,000 सिगरेट जब्त की है। आयुक्तालय ने कहा, ₹एक यात्री ने जेद्दा से एसजी 9560 की उड़ान से 325 ग्राम सोना के साथ गिरफ्तार किया गया है वहीं शेष तीन यात्रियों ने 10,000 सिगरेट, 207 ग्राम सोने के साथ गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही अधिकारी ने बताया कि एक यात्री ने एडेप्टर और सेलो टेप के अंदर सोने को छिपा था,जबकि अन्य तीन एक स्पीकर के अंदर

सोना और सिगरेट छुपाया था। मामले में आगे जांच की जा रही है।

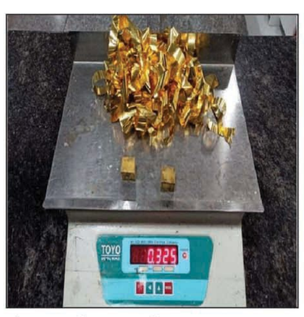

सोना तस्करी का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी केरल से ऐसे मामले सामने आए चुके हैं। पिछले दिनों से लगातार राज्य में अलग-अलग तरीकों से सोना तस्करी के मामले सामने आ रहे हैं। पिछले दिनों कोझिकोड की एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने दो यात्रियों के पास से सोना जब्त किया है। दुबई के शारजाह (वअक)से आए 2 यात्रियों के पास से 334 ग्राम सोना और 230 ग्राम कच्चे आभूषण जब्त किए गए थे।

इससे पहले तमिलनाडु में सोने की तस्करी का मामला सामने आया था। कस्टम (सीमा शुल्क) अधिकारियों ने 4 अगस्त को चेन्नई एयरपोर्ट से सोना जब्त किया है। अधिकारियों ने पेस्ट फॉर्म में 1.48 किलो सोना बरामद किया था। जिसकी कीमंत 82.3 लाख रुपए है। चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के कस्टम कमिश्नर ने यह जानकारी दी थी।

जानकारी के लिए बता दें कि सोना तस्करी का ही एक मामला इससे पहले केरल में भी सामने आया था। यहां 5 जुलाई को सीमशुल्क विभाग ने एक राजनयिक बैग से 15 करोड़ रुपए मूल्य का करीब 30 किलोग्राम सोना जब्त किया था। यह बैग संयुक्त अरब अमीरात के वाणिज्य दूतावास के नाम से था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी और सीमाशुल्क विभाग इस मामले की जांच कर रहे हैं।

कोरोना के बीच तमिलनाडु में पटरी पर लौटी जिंदगी, 13 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू

चेन्नई, एएनआइ। देशभर में लागू अनलॉक-4 के तहत धीरे-धीरे लोगों की जिंदगी पटरी पर आ रही है। आज से देशभर में मेट्रो भी दौड़ने लगी है वहीं रेलवे में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। प्रतिबंधो में मिली छूट के बाद से भारतीय रेलवे ने आज से तमिलनाडु से 13 स्पेशल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। बता दें कि देश में तमिलनाडु तीसरे नंबर पर सबसे ज्यादा संक्रमित राज्य है। यहां पर संक्रमितों का आंकड़ा 4 लाख 57 हजार के पार पहुंच गया है वहीं मरनवालों की संख्या 7 हजार 748 तक पहुंच गया है। इससे पहले रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव कहा था कि भारतीय रेलवे 12 सितंबर से 40 जोड़ी नई विशेष ट्रेनें चलाएगा, जिसके लिए रिजर्वेशन10 सितंबर से शुरू होगा। ये ट्रेनें पहले से चलाई जा रही 230 स्पेशल ट्रेनों के अलावा होंगी। इसके साथ रेल पटरियों पर दौड़ने वाली स्पेशल ट्रेनों की कुल संख्या 310 हो जाएगी। जिन ट्रेनों को चलाने का एलान किया गया है उनमें वाराणसी वंदे भारत एक्सप्रेस, लखनऊ शताब्दी और गोरखपुर व प्रयागराज हमसफर एक्सप्रेस शामिल हैं। बता दें कि कोरोना वायरस लॉकडाउन में फंसे श्रमिकों के लिए रेलवे ने 1 मई से श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाई थीं। इनके जरिए देश भर के श्रमिकों को उनके घर तक पहुंचाया गया था। रेलवे ने बताया था कि श्रमिक ट्रेनों का 85फीसद खर्च केंद्र ने उठाया था। 15 फीसद खर्च किराए के रूप में राज्यों ने दिया था। देश में इस वक्त महाराष्ट्र सबसे ज्यादा संक्रमित राज्य है।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार, 8 सितम्बर, 2020

पति की प्रताड़ना से परेशान पत्नी ने लगा ली फांसी, मामला संदिग्ध

घूरपुर। घूरपुर के कंजासा गांव में नशे में धुत युवक ने पत्नी से विवाद करने के बाद मारपीट किया तो पत्नी ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली वही मायके पक्ष से पहुंचे लोगों ने थाने पहुंच हत्या का आरोप लगा रहे थे बाद में पति द्वारा मारपीट के बाद बेटी द्वारा आत्महत्या किए जाने की शिकायती पत्र दिए वहीं मृतका के बच्चों और ग्रामीणों ने पति द्वारा मारपीट करने के बाद गला दबाकर हत्या करने का आरोप लगाया है।

महिला की मौत पर रोते बिलखते परिजन व जुटी भीड़

मृतका के मासूम बच्चे

घूरपुर इलाके के कंजासा गांव में सतीश कुमार उर्फ दूध नाथ मजदूरी करता है ।और शराब का लती है। रविवार रात शराब के नशे में धुत घर पहुंचा और अपनी पत्नी रुकमणी देवी (45) से विवाद कर पिटाई करने लगा शोर शराबा और बच्चों की चीख पुकार सुन आसपास के लोग आए तो रुकमणी की मौत हो चुकी थी और कमरे के अंदर जमीन पर पड़ी मिली।मायके से थाने पहुंचे मृतका के पिता घनश्याम सहित अन्य परिजन पति पर हत्या का आरोप लगा रहे थे कि घंटों बाद पति के खिलाफ बेटी को मारपीटा जिससे फांसी लगा आत्महत्या किए जाने की शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं ग्रामीणों और उसके बच्चों का आरोप है कि नशे में धुत होकर घर पहुंच पहले मारापीटा और उसके बाद में गला दबाकर हत्या कर दिया। उसके बाद साड़ी का फंदा बना शव को फांसी पर लटकाने का प्रयास कर रहा था कि बच्चों के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंच आरोपी को दबोच लिए। सूचना पर सोमवार की सुबह पुलिस पहुंच आरोपितों पति को गिरफ्तार कर थाने लाया और शव को पीएम के लिए भेज दिया। मृतका के मुंह कान से खून निकला था पुलिस जांच पड़ताल कर रही है।मृतका का मायका करछना क्षेत्र के मडेरा पूरा गांव है। मायके से पहुंचे रुकमणी के पिता घनश्याम ने बताया कि बेटी को रोजाना शराब पीकर मारपीट करता था।उक्त बाबत थानाध्यक्ष भुवनेश कुमार चौबे का कहना है कि प्रथम दृष्टया फांसी से मौत की मामला सामने आ रहा है हत्या या आत्महत्या मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो जाऐगा।

पापा ने मम्मी को को खूब पीटा उसके बाद गला दबा मार डाला

रुकमणी के एक बेटी और चार बेटे है।आयुष वंदना, केसू,रजक अभिषेक और आयुष शराबी पिता ने बच्चों के सामने ही बेरहमी से मां को पिटाई कर गला दबा मार डाला। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस तो मां की मौत से डरे सहमे बच्चों ने सिसकियां लेते पुलिस से बताया की पापा पहले मम्मी को जमीन पर पटक कर खूब मारा और उपर चढ़ गला दबाकर मार डाला।

बचाव करने पहुंचे बच्चों को चाकू लेकर दौड़ाया

मम्मी को पिटता देख सभी बच्चे छुडाने को पहुंचे तो घर में रखी चाकू दिखा डरा धमका खदेड़ लिया बच्चे डर के मारे भाग आसपास शोर मचा घटना बताए लेकिन तब तक में शराबी ने मौत के घाट उतार चुका था।

हाईकोर्ट समाचार

प्रमुख सचिव आयुष को एसीपी लाभ देने पर निर्णय लेने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रमुख सचिव आयुष विभाग को 28 वर्ष की सेवा करके सेवानिवृत्त हुए याचियो को तृतीय एसीपी का लाभ देने के मामले में तीन माह मे निर्णय लेने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने वाराणसी के हरेन्द्र राय व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता राघवेन्द्र प्रसाद मिश्र ने बहस की। इनका कहना था कि याचीगण 1988 से 1992 के बीच आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त हुए। इन्हें 2005 में नियमित किया गया और लंबी सेवा के बाद याचीगण ने सेवावकाश ग्रहण किया। याचियों के साथ के चिकित्सकों को तृतीय एसीपी का लाभ दिया गया, किन्तु याचीगण को नही दिया गया। कोर्ट ने याची को दो हफ्ते में प्रमुख सचिव को प्रत्यावेदन देने और उसे अगले तीन माह में प्रमुख सचिव को इसे निर्णीत करने का निर्देश दिया है।

व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा में दूसरे के शराब की दुकान का लाइसेंस निरस्त करने की मांग से कोर्ट का इन्कार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा के चलते कुछ दूरी पर स्थित दूसरे को आवंटित दुकान का लाइसेंस निरस्त करने की मांग स्वीकार नहीं की जा सकती। कोर्ट ने कहा कि कोविड 19 के चलते शराब की एक दुकान होने से भीड़ इकट्ठा हो सकती है। एक ही एरिया में अधिक दुकानें होने से भीड़ इकट्ठा नहीं होगी। दुलियागंज आगरा में याची की दुकान से 10 मीटर की दूरी पर दूसरी शराब की दुकान खोलने को चुनौती दी गयी थी। कोर्ट ने हस्तक्षेप करने से इंकार कर दिया और याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल तथा न्यायमूर्ति अजय भनोट की खंडपीठ ने सतेन्द्र सिंह की याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि वह शराब का दूकानदार है। उसकी दुकान से कुछ दूरी पर दूसरे को दुकान आवंटित की गयी है। जिससे उसका व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। आबकारी नीति के खिलाफ याची का आधा कोटा विपक्षी को दे दिया गया है। कोर्ट ने कहा कि कोविड 19 के प्रकोप के कारण सोसल डिस्टेन्सिंग का पालन करने के लिए एक स्थान पर भीड़ इकट्ठा न हो, अधिक दुकान होना गाइडलाइन के अनुसार है।

कुलसचिव को याची की प्रोन्नति पर निर्णय लेने का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कुलसचिव को रूटीन ग्रेड क्लर्क की प्रोन्नति के मामले में चार माह में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने याची से कहा है कि वह तीन हफ्ते में एक प्रत्यावेदन कुलसचिव को दे, जिसे कुलसचिव निर्णीत करे। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने सुधीर सिन्हा की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता दिनेश कुमार मिश्र ने बहस की। याची का कहना था कि वह एक अप्रैल 98 को दैनिक वेतन पर कार्यालय सहायक नियुक्त हुआ। 31 मार्च 99 में स्थायी किया गया है। 5 साल की सेवा के बावजूद पदोन्नति नहीं दी गयी, जबकि उसके साथ के कई कर्मचारी पदोन्नत कर दिये गये हैं। हाईकोर्ट ने उसकी इस मांग पर कुलसचिव को निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

बाहुबली पूर्व सांसद के माफिया बेटे दिनेश को मिली अग्रिम जमानत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बाहुबली पूर्व सांसद उमाकांत यादव के माफिया बेटे दिनेश कान्त यादव की अग्रिम जमानत मंजूर कर ली है। अग्रिम जमानत मंजूर कर कोर्ट ने कहा है कि गिरफ्तारी के समय पुलिस 50 हजार रुपए के मुचलके पर पुलिस रिपोर्ट पेश होने तक जमानत पर रिहा करे। कोर्ट ने यह आदेश आठ अन्य सह अभियुक्तों को पहले ही जमानत पर रिहा करने के आदेश को देखते हुए दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा ने दिया है। याची के खिलाफ जौनपुर के बदलापुर थाने में गिरोहबंद कानून, आबकारी कानून व भारतीय दंड संहिता के तहत षडयंत्र, धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों के आरोप के साथ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। कोर्ट ने कहा है कि याची कोर्ट की अनुमति बगैर देश नहीं छोडेगा। वह विवेचना मे सहयोग करेगा और गवाहों को किसी प्रकार की धमकी नही देगा। शर्तें न मानने पर जमानत निरस्त की जा सकती है।

बारिस न होने से किसान हुए चिंतित

करछना। जहां एकओर प्रदेश के कई क्षेत्र बाढ़ की कहर झेल रहे हैं और दूर दराज जाकर शरण लिए हुए हैं लेकिन करछना क्षेत्र मे इस बार अच्छी वारिस न होने और इधर पखवारे भर से बिल्कुल वर्षा न हाने से किसान धान की सिंचाई के लिए परेशान हो रहे हैं। वहीं जहां सिंचाई का साधान नहीं है वहां धान की फसल मुरझाने लगी है जिसे देखकर किसानों मे मायूसी छायी है। यदि जल्द वारिस न हुई तो किसानों की मेहनत बरबाद हो जायेगी। क्यों कि निजी नलकूपों से सिंचाई काफी मंहगी पड़ रही है जिससे किसान दोहरी मार झेलने को विवश है। नहरों मे भी पर्याप्त पानी न आने से धान की सिंचाई सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है। किसान इन्द्रदेव की ओर बड़ी वेदना के साथ देख रहे है। साथ ही कम वारिस होने से धान की फसल मे रोग की भी शिकायत देखने को मिल रही है। सोनाई गांव के किसान कुंवर सिंह ने बताया कि पर्याप्त वारिस न होने से धान की फसल मे रोग की शिकायत आने लगी है जिससे बचाव के लिए लोगों को दवा का छिड़काव भी करना पड़ रहा है।

कोविड का पालन न करने पर नर्सिंग होमों को नोटिस

मऊआइमा। कोविड 19 के नियमों का पालन न करने पर क्षेत्र के अनेकों प्राइवेट अस्पतालों को नोटिस मिलते ही वह ताला बंद कर भाग गए तथा बिना लाइसेंस का मेडिकल स्टोर चलाने तथा फर्जी डाक्टर बन कर इलाज करने पर एक मेडिकल स्टोर मालिक के खिलाफ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया है । जिससे क्षेत्र में हडकंप मचा हुआ है । मऊआइमा क्षेत्र में नर्सिंग होमों की आयी बाढ तथा कोविड 19 के नियमों का पालन न करने पर नोटिस मिलने पर आधा दर्जन प्राइवेट अस्पताल ताला बंद कर भाग गए हैं । और अनेकों प्राइवेट अस्पतालों की जांच हो रही है । मऊआइमा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी निरीक्षक डाक्टर राम गोपाल वर्मा ने बताया कि मऊआइमा क्षेत्र के ग्राम गदियानी में बिना लाइसेंस के मेडिकल स्टोर चलाने तथा नकली डाक्टर बन कर इलाज करने पर मुलायम सिंह पुत्र रामपाल यादव के खिलाफ धारा 419, 420, 467, 468, 471,15 (3) मेडिकल एक्ट की धाराओं में मुकदमा मऊआइमा थाने में दर्ज कराया गया है । प्रभारी निरीक्षक राम गोपाल वर्मा ने बताया कि वह चिकित्सकों की टीम एंव पुलिसकर्मियों के साथ घूम घूम कर बिना लाइसेंसी मेडिकल स्टोर तथा झोला छाप डाक्टरों और बिना पंजीकृत नर्सिंग होमों को चिंहित कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएंगें । जिनकी लिस्ट तैयार की जाएगी । जिससे गैर पंजीकृत नर्सिंग होमों तथा झोला छाप डाक्टर अपने अपने स्टोरों अस्पतालों में ताला बंद कर फरार हो गए हैं।

बुलेट और बाइक की भिड़ंत में दरोगा सहित तीन घायल

घूरपुर। क्षेत्र के बादलगंज स्थित हाइवे पर सोमवार की दोपहर बुलेट और एक बाइक की जोरदार भिड़ंत में एक दरोगा समेत तीन लोग गंभीर रूप से सड़क पर गिरकर घायल हो गए ।सूचना पर पहुंची पुलिस तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है । गोरखपुर जनपद निवासी जमाल अशरफ चित्रकूट के मऊ थाने में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात हैं।सोमवार के दिन वह विभागीय अवकाश लेकर अपनी बुलेट से प्रयागराज के लिए निकले थे ।प्रयागराज में बुलेट रखकर उन्हें गोरखपुर जाना था।अभी वह घूरपुर को पार करके बादलगंज गांव के सामने पहुंचे थे कि ओवरटेक करते समय उनकी बुलेट एक बाइक से बुरी तरह भीड़ गई।जिससे दरोगा जमाल बुलेट समेत सड़क पर घिसलते हुए गिर गए ।साथ ही दूसरी बाइक भी गिर गई और उस पर सवार दो युवक भी गिरकर बुरी तरह से घायल हो गए ।उक्त दोनों घायल युवकों में एक झूंसी निवासी धीरज पुत्र दीपचंद्र है तो दूसरा मंगला पुत्र ननकऊ निवासी शुकुल पुरवा पवर थाना घूरपुर है ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है ।

दुर्घटना के बाद घायल बाइकसवार व मौके पर जुटी लोगों की भीड़

साइकिल सवार को डंफर ने मारी टक्कर, मौत

जसरा। कौंधियारा से साइकिल द्वारा निकला नौजवान अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। जसरा विकास खंड के ठीक सामने पीछे से आती हुई डंफर ने साइकिल में मारा टक्कर युवक की मौके पर ही मौत । पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। और डम्फर सहित चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। कौंधियारा थाना के एकौनी गांव निवासी दारा प्रजापति पुत्र पंधारी प्रजापति अपने घर से किसी कार्यवश अपने रिश्तेदार के यहां चितौरी साइकिल से जा रहा था। जसरा विकास खंड गेट के सामने पीछे से आती हुई डंफर से साइकिल में टक्कर लगने पर मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौके पर पहुंची गौहनिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा डम्फर व ड्राइवर को अपने कब्जे में ले लिया है। किसी तरह पुलिस ने एकौनी में दारा के परिजनों को सूचना दिया। सूचना पर परिजन जसरा के लिए निकल पड़े हैं।

हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़

पानी बहाने को लेकर दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष, आधा दर्जन घायल

उत्तरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के अतरौरा गांव में हैंडपंप पर पानी बहाने को लेकर रविवार सुबह दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले। जिसमें आधा दर्जन से ज्यादा लोग दोनों पक्षों से घायल हो गए।दोनों पक्षों की तहरीर पर उत्तराव पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया। अतरौरा गांव निवासी रामानंद पटेल व तुलसीराम पटेल के बीच आबादी की जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। इसके पहले भी लगभग 4 माह पूर्व दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। जिसमें तुलसीराम पक्ष के लोग रामानंद के घर पर हमला बोलकर तोड़फोड़ और जमकर तांडव किए थे।जिसमें पुलिस ने रामानंद की तहरीर पर तुलसीराम पक्ष के लोगों के खिलाफ बलवा समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया था। रविवार सुबह हैंडपंप से पानी बहाने का बहाना कर दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए दोनों तरफ से जमकर खूनी संघर्ष हुआ।जिसमें रामानंद की तरफ से गिरजा शंकर रमा शंकर शंभू विठोला देवी अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।वहीं दूसरे पक्ष से बबलू ब्रह्म पटेल आर्यन व अन्य सदस्य भी मारपीट में घायल रहे। पुलिस ने दोनों पक्षों से तहरीर लेकर मुकदमा पंजीकृत कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सैदाबाद इलाज के लिए भेज दिया।

नलकूप का पाईप कई जगह से टूटा, दूषित पानी पीने से महामारी का खतरा

घूरपुर। करमा पेयजल योजना के अंतर्गत हवाई पट्टी इरादतगंज में स्थित जल निगम राजकीय नलकूप से लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। दूषित पानी पीने से लोगों में महामारी फैलने की आशंका है। नलकूप का कई जगह से पाईप टूट गया है। जेई से शिकायत की गई बावजूद अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। इरादतगंज हवाई पट्टी स्थित करमा पेयजल योजना का नलकूप से इन दिनों दूषित पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। उभारी गांव के मोहम्मद तारिक निजामी व इश्तियाक अहमद नेता ने बताया कि कई दिनों से नलकूप से दूषित पानी निकल रहा है। दूषित पानी पीने से लोगों में महामारी का खतरा फैलने का खतरा है। जेई को इस संबंध में जानकारी दी गई है। लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं हुआ। कई जगह पाईप क्षतिग्रस्त भी है। क्षेत्र के मुरादपुर चकघनश्याम दास व कुशवाहा बारी गांव में तो कई जगह पाईप क्षतिग्रस्त है। चक घनश्याम दास गांव के बबलू अंसारी ने बताया कि दूषित पानी पीने से बीमारी फैल रहा है ।भीषण गर्मी और तपिश के कारण पानी अशुद्ध मिल रहा है वहीं बेवजह पानी बह रहा है।जिससे परेशानी है। लगभग पांच दर्जन गांव में दूषित पानी लोग पीने को मजबूर हैं।

दबंगो ने सामुदायिक शौंचालय का निर्माण कार्य रूकवाया

करछना। विकास खण्ड करछना के भरहा गांव में शासन के मंशा के अनुरूप सार्वजनिक शौंचालय निर्माण हेतु नायब तहसीलदार करछना समेत राजस्व टीम द्वारा नवीन परती की भूमि मे नाप कर सीमांकन किया था। जिस पर सार्वजनिक शौंचालय का निर्माण कार्य हो सके और लोगों को खुले मे शौंच जाने से निजात मिल सके लेकिन रविवार को गांव के ही अनन्तभान व सुखपति के द्वारा उक्त नवीन परती की जमीन को अपना बताते हुए ग्राम प्रधान लाल पुष्पराज सिंह को निर्माण कार्य न कराने की हिदायत देते हुए कार्य को रूकवा दिया। जिससे निर्माण कार्य के लिए गये मिस्त्री व मजदूर बैरंग वापस हो गये। इसकी शिकायत ग्राम प्रधान ने उपजिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कहा कि नायब तहसीलदार व लेखपाल की मौजूदगी मे उक्त भूमि को चिन्हित किया गया था और रिपोर्ट मे भी निर्माण के लिए उपयुक्त दर्शाया गया है।

अनियमित विद्युत सप्लाई से लोग हो रहे हलाकान

करछना। इन दिनों जहां गर्मी की तपिस अपने चरम पर है वहीं विद्युत विभाग की शिथिलता व लापरवाही से रात मे भी कई घंटे कटौती के साथ साथ बिजली की ट्रिपिंक होने से लोग परेशान हैं। दिन मे भी कईबार घंटों बिजली गुल हो जाने से कारोबारी अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहे हैं वहीं किसानों को अपनी सूखती धान की फसल के लिए पानी की आवश्यकता है। किन्तु विद्युत व्यवधान के चलते किसान भी मायूस हैं। बार बार ट्रिपिंग के चलते धान की सिंचाई कार्य बाधित हो रहा है। क्षेत्र के किसान व व्यपारियों ने मांग की है कि उनकी इस समस्या से निजात के लिए विद्युत विभाग कार्यवाही करे।

सड़क किनारे बीमार पड़ी वृद्धा की मौत

जसरा। कई दिनों से जसरा में सड़क के किनारे पड़ी एक असहाय बुजुर्ग बीमार महिला की आज रात भूख प्यास और दवा के अभाव में हुई मौत। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जसरा नई बाजार निवासिनी सोनकली जायसवाल के परिवारी जनों ने आपसी मनमुटाव होने के कारण अपना घर बहुत पहले ही बेच दिया था जिसके चलते घर में रह रही सोनकली को घर छोड़कर जसरा बाजार में ही वर्षों किराए के मकान में रहना पड़ा। आखिरकार बुढ़ापे में बीमारी आदि होने के बाद सोनकली की छोटी बेटी अपनी मां को साथ में ले गई किंतु कुछ दिन रखने के बाद उसने उसे वापस जसरा भेज दिया जहां सोनकली पूरी तरह बीमारी से जर्जर हालत में हो चुकी थी` ऐसी सूरत में वह जसरा रेलवे क्रॉसिंग मोड़ पर सड़क के किनारे पड़ी रहती थी। यहां पर अड़ोस पड़ोस के लोगों द्वारा उसे जब खाना दे दिया जाता था तो वह किसी तरह अपना भूख शांत कर लेती थी` इधर कई दिनों से सोनकली की तबीयत अचानक बिगड़ गई और सड़क के किनारे पड़े पड़े दवा के अभाव में उसकी मौत हो गई सुबह होने पर आस पास के लोगों ने चौकीइंचार्ज गौहनिया शिव प्रताप सिंह को सूचना दिया। मौके पर पुलिस ने महिला का शव कब्जे में ले करके पोस्टमार्टम के लिए प्रयागराज भेज दिया है।

मृतक वृद्धा (फाइल फोटो)

तीनों बेटियों ने नहीं दिया बुढ़ापे में सहारा

सोनकली जायसवाल के तीन बेटियां थीं। तीनों बेटियों की शादी करके वह राहत की सांस ली लेकिन तीनों बेटियों ने अपनी का बुढ़ापे की सहारा नहीं बनी। इस तरह से भूख प्यास से हैरान वह दवा के अभाव में बीती रात दम तोड़ दिया।

यमुना नदी में सुजावन देव मंदिर को थपेड़ों से गिरने व बचाने की अपील

ऐतिहासिक व पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी भारतीय संस्कृति की पहचान सुजावन देव मंदिर : दिनेश तिवारी

प्रयागराज। ऐतिहासिक व पौराणिक मान्यताओं से जुड़ी भारतीय संस्कृति की पहचान सुजावन देव मंदिर भीटा को यमुना नदी के थपेड़ों से गिरने व बचाने के लिए भाजपा के पूर्व जिला मीडिया प्रभारी दिनेश तिवारी ने मुख्यमंत्री, प्रयागराज के प्रबुद्धजनों एवं संत महात्माओं से अपील की है। उनका कहना है कि सुजावन देव भीटा के मैदान में प्रतिवर्ष यम द्वितीया को विशाल मेला विधानसभा बारा की एक पहचान है। किंवदन्तियों जनश्रुतियों के आधार पर बहुत सी मान्यताएं यहां से जुड़ी हैं। एक मान्यता यह भी है कि द्वापर में अज्ञातवास काल के दौरान युधिष्ठिर भाइयों सहित इसी मंदिर में कुछ दिन प्रवास किए थे। लोग कहते हैं कि दुःख, दरिद्रता निवारणार्थ यमुना स्नान कर सुजावनदेव का दर्शन पूजन अतीव फलदायी है। उनका कहना है कि हिन्दुओं की आस्था सुजावन देव मंदिर है। उत्तर प्रदेश के यमुना नदी में स्थित एकमात्र मंदिर है जहां कई हिंदी और भोजपुरी फिल्मों की शूटिंग हो चुकी है।

श्री तिवारी ने बताया कि बौद्धकालीन कुछ पुराणशेष भी भीटा में है। धार्मिक महत्व के स्थल एवं मंदिर बचाने के लिए स्थानीय नागरिकों ने कई बार अभियान चलाया, मगर आज तक मंदिर का जीर्णोद्धार नहीं हो सका। अलबत्ता कुंभ मेले के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा मंदिर तक सम्पर्क मार्ग बनाया गया। जो यमुना नदी के जलस्तर बढ़ने पर डूब कर क्षतिग्रस्त हो चुका है। हाल ही में पर्यटन विभाग के अधिकारियों ने निरीक्षण कर जीर्णोद्धार प्रस्ताव शासन को भेजा है, मगर स्वीकृति की बाट जोह रहा है। विधायक बारा डॉ. अजय कुमार, सांसद प्रयागराज डॉ. रीता बहुगुणा जोशी, जिलाधिकारी प्रयागराज, कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर सुजावन देव मंदिर के जीर्णोद्धार कराकर संरक्षित कराने की आवाज उठाई है।

सुजावनदेव मंदिर

प्रयागराज हलचल

अखाड़ा परिषद की बैठक हुई संपन्न

अखाड़ा परिषद ने किया एलान अयोध्या के बाद अब काशी और मथुरा को मुक्त कराने का एलान

प्रयागराज। अखाड़ा परिषद की बैठक माघ मेला को लेकर सोमवार को संपन्न हुई। बैठक में माघ मेला को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चाएं हुई। अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर का निर्माण शुरू होने के बाद अब साधु संतों के सर्वोच्च संस्था अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने काशी और मथुरा को मुक्त कराने का बड़ा ऐलान किया है काशी और मथुरा को मुक्त कराने के लिए हिंदूवादी संगठन आरएसएस और वीएचपी से भी सहयोग मांगा है अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद की श्री मठ बाघम्बरी गद्दी में हुई इमरजेंसी बैठक में साधु संतो ने सर्व

काशी और मथुरा को मुक्त कराने का संकल्प लेते साधु संत

सम्मति से कुल 8 प्रस्ताव पास किये हैं इस बैठक में अयोध्या के बाद अब काशी-मथुरा को भी मुक्त कराने के लिये रणनीति तैयार की गई है और काशी और मथुरा को स्वेच्छा से हिंदुओं को सौंपने की अखाड़ा परिषद ने अपील की है अयोध्या की तरह काशी और मथुरा की मुक्ति के लिए आरएसएस- वीएचपी से अखाड़ा परिषद समर्थन भी मांगा है अखाड़ा परिषद ने कहा है कि काशी और मथुरा को मुक्त कराने के लिए वीएचपी और आरएसएस के साथ ही अन्य हिन्दूवादी संगठनों की मदद से बड़ा अखाड़ा परिषद आंदोलन खड़ा करेगा अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेन्द्र गिरि ने कहा है कि आम सहमति न बनने पर संवैधानिक तरीके से कोर्ट के माध्यम से कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी वहीं प्रयागराज में जनवरी में होने वाले माघ मेले पर रोक न लगाने की अखाड़ा परिषद ने सरकार से अपील की है और केंद्र और राज्य सरकार की गाइड लाइन के मुताबिक हो माघ मेले का आयोजन करने की बात कही है अखाड़ा परिषद ने माघ मेले में संस्थाओं पर रोक लगाकर संत-महात्माओं और कल्पवासियों को स्थान देने की मांग की है प्रयागराज की परिक्रमा की परंपरा में इस बार कम संख्या में साधु-संत शामिल होंगे।

भाजपा सरकार इस्तीफा दे : रेवती रमण

प्रयागराज। राज्य सभा सासंद कुवंर रेवती रमण सिंह ने लखीमपुर खीरी मे तीन बार के विधायक निर्वेद्र मिश्रा की हत्या मामले पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश अपराध प्रदेश बन गया है। देश- प्रदेश मे भाजपा की सरकार ने जनता में अपना विश्वास खो दिया हैं शासन प्रशासन अर्थव्यवस्था हाथ से निकल गई हैं इसलिए इस्तीफा दे कर नया जनादेश प्राप्त करने की आवश्यकता है 'केंद्र सरकार हर मोर्चे पर विफल हो गई हैं उसी तरह उत्तर प्रदेश मे खास वर्ग व जाति विशेष पर लगातार हमला हो रहा है जो भारतीय संविधान की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि तीन बार के विधायक की जिसतरह से हत्या कर दी जाती हैं वो अपराध की परकाष्ठा हैं अपराधियों के हौसले बुलंद हैं लुट हत्या,बलत्कार तो आम बात हो गई। अब तो जनप्रतिनिधि भी नहीं सुरक्षित तो आमजनता की क्या बात किया जाय। सांसद ने निर्वेद्र मिश्रा उर्फ मुन्ना की हत्या पर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वे बहुत संवेदनशील व्यक्ति थे मेरे साथ उत्तर प्रदेश विधानसभा में सदस्य के तौर पर जनता किसानों की समस्याओं पर आवाज बुलंद करते थे। साथ ही मैं उनको विनम्र श्रद्धांजलि अर्पण करता हूं।

महिला की हत्या मामले में दूसरा पति गिरफ्तार

प्रयागराज। धूमनगंज थाने की पुलिस ने लाल बिहारा गांव में रविवार की रात हुई महिला की हत्या मामले में मृतका के दूसरे पति को सोमवार दोपहर गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपित से पूंछताछ कर रही है।

पकड़ा गया आरोपित सुनील यादव निवासी शेरपुर कौशाम्बी का निवासी है। उसके खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजा जाएगा। गौरतलब है कि रविवार की रात धूमनगंज थाना क्षेत्र के लाल बिहारा गांव में शहनाज बेगम (45) की दूसरे पति सुनील यादव ने रविवार की रात गला घोटकर हत्या कर दी और वहां से भाग निकला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू कर दी। रविवार की सुबह पुलिस ने मृतका की बेटी अदना बेगम पुत्री परवेज अहमद सिद्दीकी निवासी मन्दर गांव थाना पूरामुफ्ती जिला कौशाम्बी की तहरीर पर मृतका के दूसरे पति सुनील यादव के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दिया। हत्यारोपित सुनील यादव को गिरफ्तार करने में पुलिस कामयाब हो गई। आरोपित के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेजेगी। उल्लेखनीय है कि धूमनगंज थाने में मृतका की बेटी अदना बेगम ने तहरीर में बताया है कि वह चार भाई तीन बहन है। जो अपने पिता के साथ पैत्रिक गांव मन्दर में रहते है। मेरी मां शहेनाज बेगम डेढ़ वर्ष पूर्व सुनील यादव के साथ दिल्ली भाग गई उसके साथ शादी कर ली। जहां उसने एक बेटे को जन्म दिया। 5 सितम्बर को मेरी मां अपने दूसरे पति के साथ दिल्ली से यहां पहुंची और लाल बिहारा में किराए का कमरा लेकर रहने लगी। रविवार को फोन कर-के हम लोगों को सामान लेकर आने के लिए कहा। जब हम लोग कुछ सामान लेने बाजार चले गए। इसी बीच सुनील यादव पहुंचा और गला घोटकर मेरी मां की हत्या कर दी और फरार हो गया।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की रात महिला की गला घोटकर उसके दूसरे पति ने हत्या कर दी और भाग निकला। इस मामले में मुकदमा दर्ज करके आरोपित सुनील यादव को गिरफ्तार करके पूंछताछ की जा रही है।

प्रसूता की मौत पर अस्पताल में हंगामा, लगाया आरोप

फूलपुर। बाबूगंज स्थित एक निजी अस्पताल में प्रसव के लिए भर्ती हुई महिला की हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने अंन्यंत्र ले जाने की बात कही तो परिजन आक्रोशित हो गए। जिसके बाद परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा शुरू कर दिया। परिजनों ने मातृ शिशु को गंभीरावस्था में फाफामऊ स्थित एक चिकित्सालय में भर्ती कराने ले गए जहां मां की मौत हो गई वहीं नवजात शिशु की हालत गंभीर बनी हुई है।

सहसों विकास खण्ड के मनेथू गांव निवासी सुदामा पटेल ने अपनी पत्नी मनीषा 24 को प्रसव के लिए बाबूगंज के एक अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन व डाक्टरों की लावरवाही के चलते सोमवार को प्रसव के दौरान उसकी पत्नी की तबीयत बिगड़ गई। जिसपर चिकित्सकों ने महिला को अन्य अस्पताल में ले जाने को कहा। इस पर नाराज परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। परिजन महिला को गंभीरावस्था में अन्य अस्पताल में ले तो गए पर उसकी मौत हो गई वहीं शिशु को आईसीयू में रखा गया है। परिजनों का आरोप है कि बाबूगंज स्थित अस्पताल के चिकित्सकों की लापरवाही से प्रसूता की मौत हुई है। अगर ससमय प्रसूता का ठीक से इलाज हुआ होता तो उसकी जान बच सकती थी।

प्रसूता की मौत के बाद हंगामा करते आक्रोशित परिजन

फिट इण्डिया मुहिम के साथ शुआट्स राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिट इंडिया मुहिम को प्रोत्साहन देने के लिए शुआट्स राष्ट्रीय सेवा योजना ने अग्रिम उड़ान देने की ठान ली है। फिट इंडिया मुहिम को लेकर कुलसचिव प्रोफेसर रॉबिन एल प्रसाद के निर्देशन में एनएसएस वॉल्टियर द्वारा छात्र छात्राओं को फिट इंडिया मुहिम के उद्देश्यों को बताया गया एवं फिट रहने के विभिन्न आयाम के सुझाव दिए गए।

प्रति कुलपति (प्रशासन) प्रो0 एस.बी. लाल ने प्रधानमंत्री की इस मुहिम को आम जनमानष के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए सभी एनएसएस वालिंटियर्स व छात्र-छात्राओं को इसे सफल बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कोऑर्डिनेटर डॉक्टर रोहित लाल ने छात्र-छात्राओं को जागरूक करते हुए

बताया कि फिट इंडिया मुहिम के तहत सभी को नियमित व्यायाम को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। नियमित व्यायाम करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है। उन्होंने जागरूक करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने का मूल मंत्र केवल नियमित व्यायाम और संतुलित आहार है। सत्यम कुमार केसरी ने बताया कि फिट इंडिया मुहिम 15 अगस्त से प्रारंभ हुई है इसका समापन 2 अक्टूबर को होगा। उन्होंने कोविड-19 महामारी से बचाव को लेकर भी छात्र छात्राओं में जागरूकता फैलाई। छात्र-छात्राओं ने भी इस मुहिम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लाकडाउन अवधि में छात्र छात्राओं ने फिट इंडिया मुहिम के तहत किए गए प्रयासों एवं गतिविधियों को साझा किया।

भट्ठे के मुन्शी का अपहरण, चित्रकूट के बरगढ़ पुलिस को मिला घायल

प्रयागराज। औद्योगिक क्षेत्र के रहने वाले भट्ठा के मुन्सी को कार से अपराधी ले गए और चित्रकूट के बरगढ़ थाना क्षेत्र में पहले चाकू मारा और ज्लनसील पदार्थ उसके ऊपर डालकर फरार हो गए। पुलिस कहना है कि अबतक परिवार के लोगों ने कोई सूचना नहीं दी है। हालांकि उसे उपचार के लिए सोमवार शाम बरगढ़ थाने की पुलिस घायलावस्था में उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया है।

औद्योगिक के रेही कला गांव निवासी राजेश श्रीवास्तव (30वर्ष) पुत्र संतोष श्रीवास्तव परिवार के भरणकृपोषण के लिए एक भट्ठे पर मुन्सी का काम करता है। बताया जा रहा है कि सोमवार सुबह कुछ लोग उसे एक कार से लेकर बहाने से चित्रकूट ले गए। जहां बरगढ़ थाना क्षेत्र में सूनसान इलाके में पहले चाकू मार कर घायल कर दिया और शिनाख्त मिटाने के लिए कोई ज्वलनशील पदार्थ डालकर फरार हो गए। वारदात की जानकारी होते ही ग्रामीणों ने चित्रकूट के बरगढ़ थाने को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने राजेश को उपचार के लिए पहले जिला अस्पताल में भर्ती कराया। लेकिन हालत नाजुक होने की वजह से चिकित्सकों ने उसे स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय के लिए रिफर कर दिया। बरगढ़ थाने की पुलिस

घायल मुंशी

सोमवार की शाम लेकर यहां पहुंची और उसके परिजनों को खबर दी। खबर मिलते ही उसके परिवार के लोग बदहवास हालत में अस्पताल पहुंचे।

अपर पुलिस अधीक्षक यमुनापार चक्रेश मिश्र ने बताया कि अबतक जो जानकारी मिल रही है कि पैसे की लेनदेन का मामला है। उसे पहले चाकू मारा और ज्वलनशील पदार्थ डालकर अपराधी फरार हो गए। चित्रकूट के एसपी ने बताया कि उसे उपचार के लिए एसआरसन भेजा गया है। हालांकि अबतक पीड़ित के परिजन कोई सूचना पुलिस को नहीं दी है। मामले की जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का राज खुल पाएगा। परिवार के लोग तहरीर देंगे तो आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शास्त्री पुल से गंगा में दिल्ली के युवक ने लगाई छलांग

प्रयागराज। दारागंज थाना क्षेत्र में शास्त्री पुल से गंगा में आत्महत्या की कोशिश में दिल्ली के युवक ने छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची जल पुलिस ने उसकी जान बचाई और उपचार के लिए स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती करा दिया है। दिल्ली के रोहनी सेक्टर 23 निवासी हिमांशु रोहिला (32) पुत्र स्वर्गीय जितेन्द्र रोहिला शहर में किसी काम से आया हुआ था। बताया जा रहा है कि सोमवार की शाम शास्त्री पुल से गंगा में आत्महत्या की कोशिश में छलांग लगा दी। सूचना पर पहुंची जल पुलिस ने अथक प्रयास करते हुए उसे डूबने से बचा लिया और उपचार के लिए तत्काल स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय में भर्ती कराया। उसके पास से मिले मोबाइल नम्बर से परिजनों को खबर दे दी गई है। उसने आत्महत्या क्यों की, यह पता नहीं चल पाया।

आगामी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने कसी कमर

प्रयागराज। सपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश सचिव नरेन्द्र सिंह समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत करने में जुट गए हैं। कई दिनों से लगातार पूर्व मुख्यमंत्री सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर विगत 1 माह से लगातार गांव-गांव घूम घूम करअगस्त क्रांति की समाजवादी दिशाइ पत्रक सौंपकर तथा लाल टोपी पहना कर सपा के नीतियों तथा सपा के शासन काल में विकास कार्यों की चर्चा करते हुए लोगों से समाजवादी पार्टी के समर्थन का अपील कर रहे हैं ' सोमवार को सपा नेता नरेंद्र सिंह अपने समर्थकों के साथ मेजा इलाके के कई बुद्धिजीवियों, प्रधानों, सामाजिक कार्यकताओं, तथा युवाओं से मिलकर प्रदेश में पुनःश्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए ह्लअगस्त क्रांति की समाजवादी दिशाइ पत्रक सौंपकर तथा लाल टोपी पहना कर सपा के समर्थन की अपील की ' मेजा क्षेत्र के कठौली, टिकुरी, समहन, अमिलिया, बलुहा, पंडित का पूरा सहित विभिन्न गाँवों मे भ्रमण करके पत्रक बांट कर 2022 मे समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सहयोग की अपील की पत्रक सौंपने के दौरान सपा नेता नरेन्द्र सिंह ने कहा कि देश की विविधता को नष्ट करने की

लोगों से मुलाकात कर प्रचार प्रसार करते सपा नेता नरेन्द्र सिंह

साजिशों के दौर में संवैधानिक मूल्यों को बचाने तथा हर नागरिक का समृद्धि और सुरक्षित जीवन सुनिश्चित करने के लिए सपा कटिबद्ध है ' श्री सिंह ने कहा कि भाजपा शासन में आम आदमी को निराश और हताश होना पड़ा है। तमाम वादे कर सत्ता में आने के बाद भाजपा देश में पूंजीवाद को बढ़ावा दे कर, देश की आर्थिक और सामाजिक दशा को तहस-नहस कर रही है ', इस अवसर पर अरूण कुमार शर्मा, प्रेम चंद यादव, सुरेन्द्र निषाद प्रधान,पप्पू तिवारी, रमा शंकर निषाद, सत्यनारायण यादव, हिमांशु कुमार सिंह, संजय शर्मा उर्फ. गोरेलाल, राम सहाय, संजीव शर्मा, राहुल मिश्रा,रोहित मिश्रा, जयशंकर मिश्रा, मोहन विश्वकर्मा, मृदुल श्रीवास्तव, उमाशंकर प्रजापति, शोभनाथ, करन जैसल, मुन्ना निर्मल, आनन्द शर्मा, रमेश चन्द्र शर्मा आदि रहे।

भाजपा सेवा सप्ताह के रूप में मनाएगी प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन

प्रयागराज। भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने सोमवार को महानगर के पदाधिकारियों की बैठक में कहा कि भाजपा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन 14 से 20 सितंबर तक साप्ताहिक सेवा दिवस के रूप में मनाएगी। महानगर अध्यक्ष ने बताया कि इसमें भारतीय जनता पार्टी के समस्त मोर्चा, प्रकोष्ठ, प्रकल्प एवं विभाग के कार्यकर्ता गरीब, वंचित, दलित, आदिवासी, गिरी वासी एवं असहाय लोगों की सेवा करते हुए ईश्वर से प्रधानमंत्रीजी की स्वस्थ एवं दीर्घायु रहने की कामना की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस साप्ताहिक कार्यक्रम हेतु वृहद स्तर पर प्रयागराज जिले की एक आवश्यक बैठक का आयोजन आठ सितंबर को सायं चार बजे किया जाएगा। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य और यूपी के प्रभारी मंत्री महेंद्र नाथ सिंह, जिला स्तरीय डिजिटल बुक का विमोचन करेंगे।

बाहुबली सांसद अतीक के अवैध कब्जे को प्रशासन ने गिराया

प्रयागराज। पूर्व सांसद अतीक अहमद के एक और अवैध भवन को सोमवार दोपहर प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने जमींदोज कर दिया। सिविल लाइंस के नवाब यूसुफ रोर्ड पर स्थित उक्त भवन को गिराने के लिए नगर निगम एवं पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। योगी सरकार की जोरो टारलेंस नीति के तहत अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत माफिया अतीक अहमद और उनके करीबियों के द्वारा अवैध तरीके से कब्जा की गई सम्पत्तियों को धस्त कराने का अभियान चला रहा है। उक्त कार्रवाई के क्रम में सोमवार दोपहर सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के नवाब यूसुफ रोड पर स्थित अतीक अहमद के कारोड़ो रूपए की लागत से तैयार भवन को गिराने के लिए जिला प्रशासन एवं प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और जेसीवी मशीन लगाकर धस्तीकरण की कार्रवाई शुरू कर दी और देखते ही देखते पूरी इमारत ढहा दी गई। यह निर्माण करीब 600 वर्ग गज में फैला हुआ था। सूत्रों की माने तो अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को देखते हुए भू माफियों के बीच अफराकृतफरी का माहौल बन गया है। भूमाफिया अपनी अवैध कमाई बचाने के लिए जुगाड़ की तलाश में जुटे हुए है।

कैबिनेट मंत्री डॉ महेन्द्र ने किया ई–पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। वैश्विक महामारी कोरोना के समय लॉकडाउन की अवधि में भाजपा यमुनापार द्वारा ह्लसेवा ही संगठनह्ल को मूलमंत्र मानकर ह्यनर सेवा ही नारायण सेवा हैह्व भाव से किये गए सेवा कार्यों पर बनी ई-पुस्तक का विमोचन सोमवार को उ.प्र सरकार के जलशक्ति कैबिनेट मंत्री व प्रयागराज जिला के प्रभारी मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह ने वर्चुअल सभा के माध्यम से करते हुए कही।

श्री सिंह ने यमुनापार जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती व जिला पदाधिकारियों, सांसद, विधायकों के साथ कार्यकताओं को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में यमुनापार द्वारा किए ऐतिहासिक कार्यों को गिनाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से किए ऐतिहासिक कार्यो का शब्दों में कहना कठिन है। इस सेवा को जनता सदैव याद रखेगी। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष लक्ष्मण आचार्य ने आगामी योजनाओं के बारे मे बताते हुए कहा प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर भाजपा कार्यकर्ता सेवा सप्ताह के रूप में मनाएंगे। साथ ही समस्त पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती व सांसद प्रयागराज प्रो.रीता बहुगुणा जोशी द्वारा किए कार्यो की प्रशंसा करते हुए जल्द ठीक होने की प्रार्थना की।

भाजपा यमुनापार के जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने बताया कि ई-बुक विमोचन करते हुए

पुस्तक का विमोचन करते डॉ महेन्द्र सिंह

समस्त पदाधिकारियों ने कोरोना कालखण्ड के दौरान भाजपा यमुनापार के कार्यकताओं की सराहना हुई। इस अवसर पर इलाहाबाद झांसी स्नातक विधायक डॉ.यज्ञदत्त शर्मा, विधायक बारा डॉ.अजय कुमार, विधायक कोरांव राजमणि कोल, विधायक मेजा नीलम करवरिया, जिला पंचायत अध्यक्षा रेखा सिंह ने भी ई-बुक विमोचन पर अपने विचारों को व्यक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शोभ नारायण द्विवेदी ने किया। इस दौरान पूर्व जिलाध्यक्ष शिवदत्त पटेल, राजेश शुक्ला, त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय, दिलीप कुमार चतुवेर्दी, संकर्षण शरण, जय सिंह पटेल मनोज गुप्ता, विशाल मोहन आदि के साथ समस्त जिला पदाधिकारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष सम्मलित रहे।

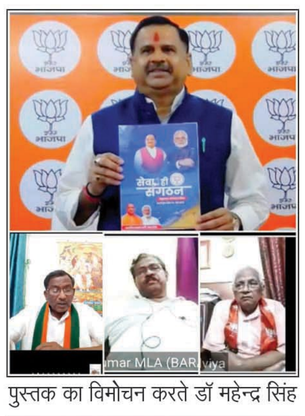

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

अखण्ड भारत सन्देश

प्रयागराज मंगलवार, 8 सितम्बर, 2020

क्रियायोग सन्देश

सच्चे राजनीतिज्ञ के लिए ...

आहार का नियम
क्रियायोग पर आधारित आहार का विज्ञान
पूर्ण तथा परिपक्व आहार ग्रहण करें

"प्रभु ने कहा, मैंने पृथ्वी पर पेड़-पौधों को बनाया है। पेड़-पौधों के फल व बीज मानव के लिए तथा पेड़-पौधों के अन्य सभी भागों को बाकी सभी के लिए।जब फसल पूरी तरह पक जाय तब उसकी कटाई व मड़ाई हो और उसके बीज का उपयोग बीज बोने के लिए हो तथा अन्य बीज को खाने में मनुष्य प्रयोग करे। जब फल पेड़ों में पक जाय तब उस फल का प्रयोग भी मनुष्य करे।"
- जेनेसिस 1:29-30

सत्य व अहिंसा पर आधारित आहार सर्वोत्तम है जिससे मनुष्य अपने शक्तिमय, ज्ञानमय और पूर्ण स्वरूप की अनुभूति करता है। अहिंसात्मक विधि से आहार लेने पर मनुष्य के अंदर बीमारी, तनाव, चिन्ता आदि का समापन होने लगता है तथा शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों का अभाव नहीं होता है।

मृत्यु से है। जिस प्रकार किसी नवजात शिशु, बालक अथवा किसी भी व्यक्ति या किसी भी जीव को उसकी स्वाभाविक मृत्यु आने के पहले मारना हिंसा है, उसी प्रकार मनुष्य के द्वारा जाने-अनजाने में पेड़-पौधों, फल-फूल, सब्जी आदि के रूप में विद्यमान जीवों को आहार के लिए उनके पूर्ण रूप में आने के पहले ही तोड़कर अथवा काटकर उपयोग करना भी हिंसा है। अपरिपक्व सब्जी, फल व बीज (अनाज) आदि ठीक उसी प्रकार हैं जैसे नवजात शिशु, बालक तथा युवा स्वरूप। सब्जी, फल आदि का पूर्ण विकास हुए बिना उनको खाना हिंसा करना है। जब मनुष्य हवा, पानी, प्रकाश, पृथ्वी, वनस्पति, जीव-जन्तु आदि किसी के विकास को रोकता है और स्वाद पूर्ति के लिए उनका उपयोग करता है तो उसका स्वयं का जीवन कष्टमय हो जाता है ।

अहिंसात्मक विधि से आहार लेने का अभिप्राय है किसी भी फल, सब्जी, अनाज आदि का प्रयोग आहार के रूप में तभी किया जाय जब वह अपनी परिपक्व अवस्था ;पूर्ण अवस्थाद्ध में आ जाय । अनाज, सब्जी, फल आदि की परिपक्व अवस्था का अभिप्राय है इनका स्वरूप जो अपना पूरा जीवन व्यतीत करके अपने पूर्ण स्वरूप में रूपान्तरित हो गया हो और उसके किसी न किसी भाग या अंश से दुबारा अनाज, सब्जी, फल आदि को उगाया जा सके ।

रहन-सहन के लिए उपयुक्त वातावरण

राजनीति क्षेत्र में काम करने वाले सभी मनुष्य को अनिवार्य रूप से शारीरिक श्रम करना चाहिए। उनके रहने की जगह में सूर्य का प्रकाश, खुली हवा, प्राकृतिक मिनरल युक्त पानी आदि प्रचुर मात्रा में होना चाहिए। उनकी कॉलोनी के चारों तरफ पेड-पौधे व उपयुक्त जीव-जन्तु युक्त तालाब होना चाहिए। सभी मनुष्य को जीव-जन्तु व पेड़-पौधों की नियमित सेवा करना चाहिए। सभी मनुष्य को अपने माता-पिता की पूज्य भाव से सेवा करना चाहिए। अपने जीवन साथी पत्नी को अपने समकक्ष रखकर सभी बच्चों को पूर्ण विकसित करने की जिम्मेदारी निर्वाह करना चाहिए।

क्रियायोग ध्यान करने से उपर्युक्त सभी जिम्मेदारियाँ स्वतः पूरी हो जाती हैं इसलिए सभी मनुष्यों को क्रियायोग ध्यान पूरी भक्ति से करना चाहिए।

क्रियायोग ध्यान

क्रियायोग ध्यान करने पर मनुष्य की जीवनचर्या स्वतः सत्य व अहिंसा के सिद्धान्त पर क्रियाशील रहती है । ऐसे ही लोग सभी मनुष्यों का उचित मार्गदर्शन करने में सफल होते हैं और इन्हें ब्रह्माण्ड की सभी रचनाओं की सुरक्षा करने का पूर्ण ज्ञान होता है। प्राकृतिक रूप से धीरे-धीरे बढ़ रही समझने की सामर्थ्य को क्रियायोग ध्यान से द्रुत गति से बढ़ाया जा सकता है। दस मिनट के क्रियायोग के अभ्यास से मनुष्यों में समझने की सामर्थ्य का विकास 20 वर्ष में प्राप्त समझने की सामर्थ्य के समतुल्य होता है।

For True Politicians...

Kriyayoga Dietary Principles of Non-violence Vegetarian Diet

And God said, "See, I have given you every herb that yields seed which is on the face of all the earth, and every tree whose fruit yields seed; to you it shall be for food. 30 Also, to every beast of the earth, to every bird of the air, and to everything that creeps on the earth, in which there is life, I have given every green herb for food"; and it was so.
–Genesis 1:29-30 (Bible)

Take Matured Foods

Diet that is based on the principles of Truth and Non-violence is the perfect diet for humans. This type of diet enables one to experience Omnipotent power, Omniscient knowledge and ones' vast and infinite nature within. By adopting a diet based on the principle of non-violence, one is able to remain free of all illnesses of body and mind and does not suffer from deficiencies of any kind. When we have deficiencies of vital nutrients in our diet, then our ego demands highly exciting food. In this state, the dietary intake of a person is excessively much more than is required and as a result the person becomes prone to being overweight and suffers from diabetes, blood pressure and cancer etc…

Non-violence refers to Immortality. All workshops related to maintaining Existence, Consciousness and Bliss of creation is related to the act of Immortality. In the selection of food, we should never disturb and destroy the life cycle of plants and crops. They should be allowed to attain their mature state. Matured grains, seeds and fruits should be the food of human beings. The best qualities should be selected for sowing and re-planting. This style of consuming food is living a lifestyle of Non-violence. Causing Immature death and early aging is violence.

Selection of Habitat–Living Surroundings

All politicians should follow the principle of bodily labour and should live in the place where sunshine, free-flowing air and mineral-rich good water are available. Their colony should be surrounded by trees of various kinds and water pond with alive fishes, frogs, earthworms and many other water animals. All politicians should serve animals and plants with all devotion. They should worship their parents and should place their life-partners (spouse) on equal level and should create a suitable atmosphere for development of their children in the home. They should practice Kriyayoga Meditation for all round balanced development and growth.

Kriyayoga Meditation

Anyone who practices Kriyayoga Meditation sincerely automatically lives lifestyle based on Truth and Non-violence and is a suitable person to help and guide human beings and they are competent to serve and protect all other creations of Cosmos.

The natural growth of understanding power of human beings can be enhanced without side-effects. Twenty units of Kriyayoga Meditation practiced in ten minutes increases understanding power in a human equal to understanding power obtained in twenty years of regular life.